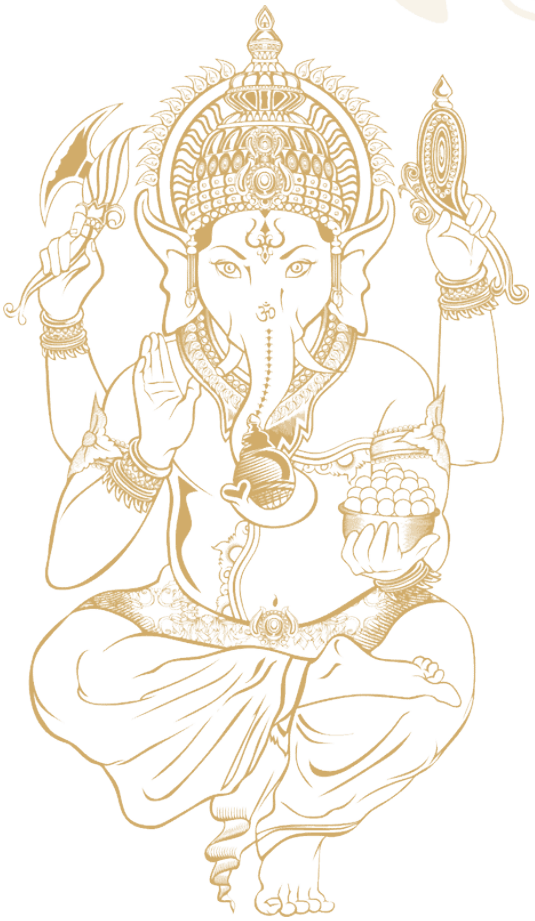

Pp

K

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121678703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/05/1993	जन्म तिथि	05/03/1996
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 23:30:00	जन्म समय	18:55:00 घंटे
घटी 45:04:48	जन्म समय(घटी)	30:36:24 घटी
India	देश	India
Modinagar	स्थान	Delhi
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:04	सूर्योदय	06:42:11
19:03:25	सूर्यास्त	18:23:25
23:46:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 9वर्ष 2मा 23दि	03:13:50	मक	लग्न	सिंह	29:10:52	शुक्र 4वर्ष 10मा 25दि
बुध	01:07:57	वृष	सूर्य	कुंभ	21:27:20	राहु
08/08/2021	25:38:27	कुंभ	चंद्र	सिंह	23:23:54	30/01/2024
08/08/2038	15:03:48	कर्क	मंगल	कुंभ	21:14:49	29/01/2042
बुध 05/01/2024	00:41:01	वृष	बुध	कुंभ	03:05:56	राहु 12/10/2026
केतु 01/01/2025	11:23:22	कन्या व	गुरु	धनु	18:40:41	गुरु 06/03/2029
शुक्र 02/11/2027	18:37:30	मीन	शुक्र	मेष	05:36:29	शनि 11/01/2032
सूर्य 07/09/2028	06:01:49	कुंभ	शनि	मीन	02:09:17	बुध 31/07/2034
चन्द्र 06/02/2030	18:33:12	वृश्चि व	राहु व	कन्या	23:32:58	केतु 18/08/2035
मंगल 04/02/2031	18:33:12	वृष व	केतु व	मीन	23:32:58	शुक्र 18/08/2038
राहु 23/08/2033	28:16:10	धनु व	हर्ष	मक	09:09:14	सूर्य 13/07/2039
गुरु 29/11/2035	27:14:45	धनु व	नेप	मक	03:08:50	चन्द्र 11/01/2041
शनि 08/08/2038	00:21:00	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:18:36	मंगल 29/01/2042

लग्न-चलित

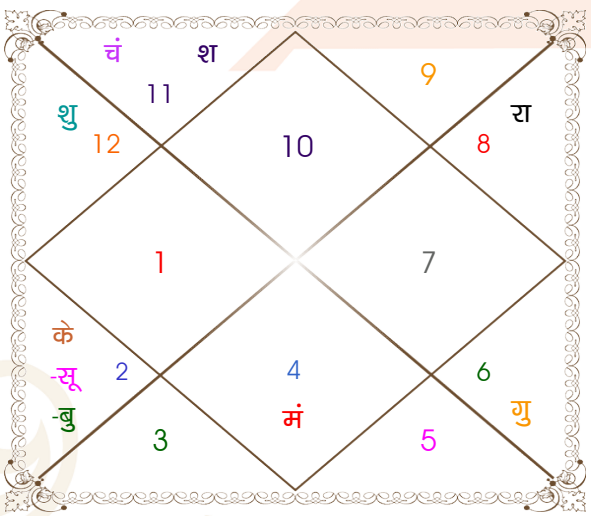

लग्न-चलित

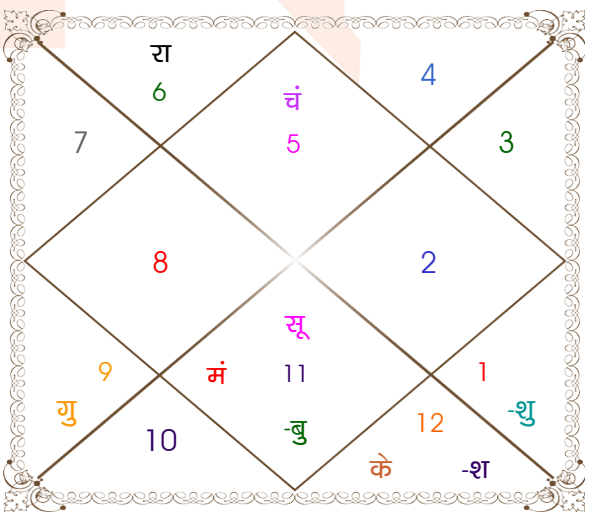

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

च्च का वर्ग मेष है तथा ज्ञ का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्च और ज्ञ का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्च मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल च्च कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्च कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्च कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

च्च तथा ज्ञ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।